

वदिशी मुद्रा भंडार (Forex Reserves)

प्रलिस के लयि:

वदिशी मुद्रा भंडार और उसके घटक ।

मेन्स के लयि:

वदिशी मुद्रा भंडार रखने के उद्देश्य और इसका महत्त्व ।

चर्चा में क्यों?

भारतीय रज़िर्व बैंक (RBI) के हालिया आँकड़ों के अनुसार भारत का वदिशी मुद्रा भंडार (Foreign Exchange- Forex) 21, जनवरी 2022 को समाप्त सप्ताह के दौरान 678 मिलियन अमेरिकी डॉलर की गरिवट के साथ 634.287 बलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया ।

- भंडार में गरिवट वदिशी मुद्रा आसतयों (**Foreign Currency Assets- FCA**) में गरिवट के कारण थी जो समग्र भंडार का एक महत्त्वपूर्ण घटक है । समीकषाधीन सप्ताह में FCA 1.155 अरब डॉलर घटकर 569.582 अरब डॉलर रह गया ।
- रपौरट कयि गए सप्ताह में सोने का भंडार 567 मिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 40.337 बलियन अमेरिकी डॉलर हो गया ।
- **अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष** (IMF) के साथ वशिष आहरण अधिकार (SDR) 68 मिलियन अमेरिकी डॉलर से गरिकर 19.152 बलियन अमेरिकी डॉलर हो गया ।

प्रमुख बडि

- **वदिशी मुद्रा भंडार:**
 - वदिशी मुद्रा भंडार का आशय केंद्रीय बैंक द्वारा वदिशी मुद्रा में आरकषति संपत्तयों से होता है, जसिमें बॉण्ड, ट्रेज़री बलि और अन्य सरकारी प्रतभूतयों शामिल होती हैं ।
 - गौरतलब है कि अधिकांश वदिशी मुद्रा भंडार अमेरिकी डॉलर में आरकषति कयि जाते हैं ।
 - **भारत के वदिशी मुद्रा भंडार में नमिनलखिति को शामिल कयि जाता है:**
 - वदिशी मुद्रा परसिंपत्तयों
 - स्वर्ण भंडार
 - वशिष आहरण अधिकार (SDR)
 - **अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के पास रज़िर्व ट्रेंच**
- **वदिशी मुद्रा भंडार का उद्देश्य:**
 - मौरकि और **वनिमिय दर** प्रबंधन हेतु नरिमति नीतयों के प्रतसिंमर्थन व वशिवास बनाए रखना ।
 - यह राष्ट्रीय या संघ मुद्रा के समर्थन में हसतकषेप करने की कषमता प्रदान करता है ।
 - संकट के समय या जब उधार लेने की कषमता कमज़ोर हो जाती है, तो संकट के समाधान के लयि वदिशी मुद्रा तरलता को बनाए रखते हुए बाहरी प्रभाव को सीमति करता है ।
- **वदिशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी का महत्त्व:**
 - **सरकार के लयि बेहतर स्थिति:** वदिशी मुद्रा भंडार में हो रही बढ़ोतरी भारत के बाहरी और आंतरकि वत्तीय मुद्रों के प्रबंधन में सरकार तथा रज़िर्व बैंक को बेहतर स्थिति प्रदान करता है ।
 - **संकट प्रबंधन:** यह आर्थिक मोर्चे पर **भुगतान संतुलन** (BoP) संकट की स्थितिसे नपिटने में मदद करता है ।
 - **रुपया मूल्यहरास (Rupee Appreciation):** बढ़ते भंडार ने डॉलर के मुकाबले रुपए को मज़बूत करने में मदद की है ।
 - **बाज़ार में वशिवास:** भंडार बाज़ारों और नविशकों को वशिवास का एक स्तर प्रदान करेगा जसिसे एक देश अपने बाहरी दायतियों को पूरा कर सकता है ।

वदिशी मुद्रा परसिंपत्तयों (FCA):

- FCA ऐसी संपत्तियाँ हैं जिनका मूल्यांकन देश की स्वयं की मुद्रा के अलावा किसी अन्य मुद्रा के आधार पर किया जाता है।
- FCA वदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक है। इसे डॉलर के रूप में व्यक्त किया जाता है।
- FCA में वदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्रा की कीमतों में उतार-चढ़ाव या मूल्यह्रास का प्रभाव पड़ता है।

वशेष आहरण अधिकार (SDRs):

- वशेष आहरण अधिकार को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (International Monetary Fund-IMF) द्वारा 1969 में अपने सदस्य देशों के लिये अंतर्राष्ट्रीय आरक्षण संपत्तिके रूप में बनाया गया था।
- SDR न तो एक मुद्रा है और न ही IMF पर इसका दावा किया जा सकता है। बल्कि यह IMF के सदस्यों का स्वतंत्र रूप से प्रयोग करने योग्य मुद्राओं पर एक संभावित दावा है। इन मुद्राओं के लिये SDR का आदान-प्रदान किया जा सकता है।
- SDR के मूल्य की गणना 'बास्केट ऑफ करेंसी' में शामिल मुद्राओं के औसत भार के आधार पर की जाती है। इस बास्केट में पाँच देशों की मुद्राएँ शामिल हैं- अमेरिकी डॉलर, यूरोप का यूरो, चीन की मुद्रा रेंमिन्बी, जापानी येन और ब्रिटेन का पाउंड।
- SDRs या SDRi पर ब्याज दर सदस्यों को उनके SDR होल्डिंग्स पर दिया जाने वाला ब्याज है।
- हाल ही में IMF ने भारत को SDR 12.57 बिलियन (लगभग 17.86 बिलियन अमेरिकी डॉलर के बराबर) का आवंटन किया है। अब भारत की कुल होल्डिंग्स 13.66 बिलियन SDR है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष में आरक्षण स्थिति:

- एक की रज़िर्व ट्रेन्च स्थितिका तात्पर्य मुद्रा के आवश्यक कोटे के एक हिस्से से है जो प्रत्येक सदस्य देश को आईएमएफ को प्रदान करना चाहिये, जिसका उपयोग अपने स्वयं के उद्देश्यों के लिये किया जा सकता है।
- रज़िर्व ट्रेन्च वह मुद्रा होती है जिसे प्रत्येक सदस्य देश द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (International Monetary Fund-IMF) को प्रदान किया जाता है और जिसका उपयोग वे देश अपने स्वयं के प्रयोजनों के लिये कर सकते हैं। इस मुद्रा का प्रयोग सामान्यतः आपातकाल की स्थिति में किया जाता है।

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/forex-reserves-6>

